सं० शि० साजन कुमार
एस. बी. एस. एस.
कॉलेज बेगूसराय

चतुर्थ प्रश्न पत्र
रूप सिद्धि - भू धातु आशीर्लिङ् लकार

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	भूयात्	भूयास्ताम्	भूयासुः
मध्यम पुरुष	भूयाः	भूयास्तम्	भूयास्त
उत्तम पुरुष	भूयासम्	भूयास्व	भूयास्म

1) भूयात् (प्रथम पुरुष एकवचन)

=> आशिषि लिङ्लोटौ' से लिङ् लकार - भू + लिङ्
=> लिङ् के अनुबंधो को हटाने पर - भू + ल्
=> कर्ता के प्र० पु० एकवचन की विवक्षा में - भू + तिप्
=> आर्धधातुकः' के कारण शप् का विकरण नहीं लगेगा > भू + तिप्
=> तिप् के 'प्' की इत्संज्ञा व लोप, इतश्च से 'इ' का लोप > भू + त्
=> यासुट् परस्मैपदेषूदात्तो ङिच्च' से यासुट् (यास्) का आगम > भू + यास् + त्
=> सार्वधातुकार्धधातुकयोः से इगन्त भू को गुण, 'किदाशिषि' से 'यास्' को कित्, यास् को कित् होने पर 'क्ङिति' से गुण रुक जाता है > भू + यास् + त्
=> स्कोः संयोगाद्योरन्ते च' से पदान्त संयोग के आदि स् का लोप > भूयात्
=> इस प्रकार सिद्ध रूप - भूयात्

Scanned with CamScanner

२) भूयास्ताम् (प्र० पुरुष द्विवचन)

∴ आशिषि लिङ्लोटौ से लिङ् लकार - भू + लिङ्
∴ लिङ् के अनुबंधो को हटाने पर - भू + ल
∴ कर्ता के प्र० पु० द्विवचन की विवक्षा में - भू + तस्
∴ 'आर्धधातुकः' के कारण शप् का विकरण नहीं लगेगा - भू + तस्
∴ तस्थस्थमिपां तांतंताम: से 'तस्' को ताम् - भू + ताम्
∴ यासुट् परस्मैपदेषूदात्तो ङिच्च से 'यासुट्' (यास्) का आगम - भू + यास् + ताम्
∴ सार्वधातुकार्धधातुकयोः से इगन्त भू को गुण - भो + यास् + ताम्
'क्विङ्ति' से निषेध
∴ मिलाने पर रूप सिद्ध - भूयास्ताम्

३) भूयासुः (प्र० पु० बहुवचन)

∴ आशिषि लिङ्लोटौ से लिङ् लकार - भू + लिङ्
∴ लिङ् के अनुबंधो को हटाने पर - भू + ल
∴ कर्ता के प्र० पु० बहुवचन की विवक्षा में - भू + झि
∴ 'झेर्जुस्' से 'झि' को जुस् - भू + जुस्
∴ 'जुस्' के अनुबन्धो को हटाने पर - भू + उस्
∴ यासुट् परस्मैपदेषूदात्तो ङिच्च से यासुट् (यास्) का आगम - भू + यास् + उस्
∴ मिलाने पर - भूयासुस्
∴ ससजुषोरुः से स् को (र्) - भूयासुर्
∴ खरवसानयोः से र् को विसर्ग - भूयासुः

Scanned with CamScanner

4) भूयाः (मध्यम पुरुष एकवचन)

:> आशिषि लिङ्लोटौ' से लिङ् लकार - भू + लिङ्
:> लिङ् के अनुबंधो को हटाने पर - भू + ल
:> कर्त्री के म० पु० एकवचन की विवक्षा में - भू + सिप्
:> सिप् के 'प्' की इत्संज्ञा व लोप, इतश्च से 'इ' का लोप > भू + स
:> यासुट् परस्मैपदेषूदात्तो ङिच्च' से यासुट् (यास्) का आगम > भू + यास् + स
:> स्कोः संयोगाद्योरन्ते च' स पदान्त संयोग के आदि स का लोप > भू + यास
:> मिलाने पर - भूयास्
:> ससजुषोरुः से स् को रु (र्) - भूयार्
:> खरवसानयोः से 'र्' को विसर्ग - भूयाः

5) भूयास्तम् (म० पु० द्विवचन)

:> आशिषि लिङ्लोटौ' से लिङ् लकार - भू + लिङ्
= लिङ् के अनुबंधो को हटाने पर - भू + ल
:> कर्त्री के म० पु० द्विवचन की विवक्षा में - भू + थस्
:> तस्थस्थमिपां तांतंतामः' से थस् को तम् आदेश > भू + तम्
:> यासुट् परस्मैपदेषूदात्तो ङिच्च' से यासुट् (यास्) का आगम > भू + यास् + तम्
:> मिलाने पर रूप सिद्ध - भूयास्तम्

Scanned with CamScanner

6) भूयास्त (म० पु० बहुवचन)

:) आशिषि लिङ्लोटौ से लिङ् लकार - भू + लिङ्
:) लिङ् के अनुबंधों को हटाने पर - भू + ल्
:) कर्त्ता के म० पु० बहुवचन की विवक्षा में - भू + थ
:) तस्थस्थमिपां तांतंताम: से 'थ' को त - भू + त
:) यासुट् परस्मैपदेषूदात्तो ङिच्च से यासुट् (यास्) का आगम - भू + यास् + त
:) मिलाने पर रूप सिद्ध - भूयास्त

7) भूयासम् (उत्तम पुरुष एकवचन)

:) आशिषि लिङ्लोटौ से लिङ् लकार - भू + लिङ्
:) लिङ् के अनुबंधों को हटाने पर - भू + ल्
:) कर्त्ता के उ० पु० एकवचन की विवक्षा में - भू + मिप्
:) तस्थस्थमिपां तांतंताम: से 'मिप्' को अम् आदेश - भू + अम्
:) यासुट् परस्मैपदेषूदात्तो ङिच्च से यासुट् (यास्) का आगम - भू + यास् + अम्
:) मिलाने पर रूप सिद्ध - भूयासम्

8) भूयास्व (उ० पु० द्विवचन)

:) आशिषि लिङ्लोटौ से लिङ् लकार - भू + लिङ्
:) लिङ् के अनुबंधों को हटाने पर - भू + ल्
:) कर्त्ता के उ० पु० द्विवचन की विवक्षा में - भू + वस्
:) 'नित्यंङित:' से 'वस्' के 'स्' का लोप - भू + व
:) यासुट् परस्मैपदेषूदात्तो ङिच्च से यासुट् (यास्) का आगम - भू + यास् + व
:) मिलाने पर रूप सिद्ध - भूयास्व

Scanned with CamScanner

9) भूयास्म (उ० पु० बहुवचन)

=> आशिषि लिङ्लोटौ' से लिङ् लकार - भू + लिङ्
=> लिङ् के अनुबंधो को हटाने पर - भू + लँ
=> कर्त्ता के उ० पु० बहुवचन की विवक्षा में - भू + मस्
=> नित्यंङितः' से 'मस्' के 'स्' का लोप - भू + म
=> यासुट् परस्मैपदेषूदात्तो ङिच्च' से यासुट् (यास्) का आगम - भू + यास् + म
=> मिलाने पर रूप सिद्ध - भूयास्म

(Signature)